

पंजाब की पहली शेर-ए-पंजाब
टी-20 लीग शुरू, युवा क्रिकेटरों
को मिलेगा बड़ा मंच: भगवंत
मान



चंडीगढ़, 30 अगस्त: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब की पहली फ्रेंचाइजी आधारित शेर-ए-पंजाब टी-20 क्रिकेट लीग का उद्घाटन किया। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित यह टूर्नामेंट 13 सितंबर तक मोहाली के पीसीए क्रिकेट स्टेडियम में चलेगा। उद्घाटन मुकाबला अमृतसर सूरमा और मोहाली किंग्स के बीच खेला गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लीग का उद्देश्य पंजाब के उभरते क्रिकेटरों को बड़ा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ खेलकर अपनी प्रतिभा को निखार सकेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब ने भारतीय क्रिकेट को कई महान खिलाड़ी दिए हैं और यह लीग नई पीढ़ी के क्रिकेटरों के लिए आगे बढ़ने का अवसर बनेगी। मान ने कहा कि पंजाब में इस समय भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों के कप्तान शुभमन गिल और हरमनप्रीत कौर हैं।

धर्म और नैतिक मूल्यों से ही
समाज व देश की प्रगति संभव:
कुलतार सिंह संधवां



चंडीगढ़, 30 अगस्त: पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि धर्म के मूल सिद्धांतों को जीवन और आचरण में अपनाकर ही समाज तथा देश को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि धर्म राजनीति और सामाजिक जीवन को सही दिशा देने के साथ लोगों को एकजुट रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संधवां रविवार शाम मोहाली के सेक्टर-89 स्थित श्री अमृतेश्वर महादेव मंदिर में सावन माह के रुद्राभिषेक एवं दिव्य पूजन की पूर्णता के अवसर पर आयोजित 'हमारी सामाजिक जिम्मेदारी' विषयक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सच्चाई, पवित्रता और नैतिक मूल्यों पर आधारित आचरण समाज को मजबूत बनाता है। स्पीकर ने कहा कि आपसी भाईचारा, एकता, सद्भावना और मानवता को बढ़ावा देना प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। धर्म के सत्य, सेवा, ईमानदारी और मानवता के सिद्धांतों को अपनाकर ही एक मजबूत और खुशहाल समाज का निर्माण किया जा सकता है।

दशकों बाद पंजाब के भूजल स्तर में सुधार, दोहन दर 164% से घटकर 152.22% हुई



चंडीगढ़, 31 अगस्त: पंजाब में लगातार गिरते भूजल स्तर को लेकर लंबे समय से बनी चिंता के बीच अब राहत की खबर सामने आई है। जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने बताया कि केंद्रीय भूजल बोर्ड के 2026 के ताजा आकलन के अनुसार दशकों बाद पहली बार राज्य के भूजल स्तर में सुधार दर्ज किया गया है। भूजल दोहन की दर वर्ष 2022 के 164 प्रतिशत से घटकर 2026 में 152.22 प्रतिशत हो गई है।

मंत्री ने बताया कि राज्य के 153 आकलन किए गए ब्लॉकों में से 109 में भूजल की स्थिति में सुधार हुआ है। अति-शोषित ब्लॉकों की संख्या 117 से घटकर 110, जबकि सुरक्षित ब्लॉकों की संख्या 17 से बढ़कर 20 हो गई है। वर्ष 2025 की तुलना में 14 ब्लॉक बेहतर श्रेणी में पहुंचे हैं, जिनमें चार सुरक्षित श्रेणी में शामिल हुए हैं।

गोयल ने कहा कि भूजल दोहन की वार्षिक मात्रा भी 28.02 बिलियन क्यूबिक मीटर से घटकर 26.32 बिलियन क्यूबिक मीटर रह गई है। उन्होंने इसे नहरी सिंचाई के विस्तार, सिंचाई ढांचे के आधुनिकीकरण और भूजल रिचार्ज योजनाओं का परिणाम बताया।

पंजाब सरकार ने नहरी नेटवर्क को मजबूत करने पर

करीब 7,500 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इसके परिणामस्वरूप नहरी पानी के उपयोग की हिस्सेदारी वर्ष 2022 के लगभग 26 प्रतिशत से बढ़कर 82 प्रतिशत हो गई है। इससे किसानों की ट्यूबवेल और भूजल पर निर्भरता कम हुई तथा बिजली की खपत में करीब 16 प्रतिशत की बचत दर्ज की गई।

मंत्री के अनुसार राज्य में 510 से अधिक भूजल रिचार्ज योजनाएं संचालित की जा रही हैं। तालाबों, नहर आधारित रिचार्ज ढांचे और अन्य उपायों के माध्यम से करीब 38 लाख घन मीटर भूजल रिचार्ज हुआ है।

गोयल ने कहा कि पंजाब सरकार का लक्ष्य किसानों तक अधिक से अधिक नहरी पानी पहुंचाकर भूजल पर निर्भरता कम करना और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित करना है। उन्होंने कहा कि भूजल संरक्षण केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि पंजाब की कृषि अर्थव्यवस्था और देश की खाद्य सुरक्षा से भी सीधे जुड़ा हुआ है।

गोयल ने कहा कि नहरी पानी की उपलब्धता बढ़ने से किसानों को धान सहित विभिन्न फसलों की सिंचाई के लिए ट्यूबवेलों पर निर्भरता कम करने में मदद मिली है।

राज्य में नहरों और माइनरों की क्षमता का बेहतर उपयोग किया जा रहा है, जबकि खालों की मरम्मत, पाइपलाइन बिछाने और टेल तक पानी पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

जल संसाधन मंत्री ने बताया कि पंजाब में 1117 नहरें और माइनर हैं। इनकी कुल जल वहन क्षमता करीब 36,000 क्यूसेक है, जबकि इस वर्ष 1 जून से नियमित रूप से लगभग 39,000 क्यूसेक नहरी पानी की आपूर्ति की जा रही है। इससे उन क्षेत्रों में भी नहरी सिंचाई को बढ़ावा मिला है जहां पहले किसान मुख्य रूप से भूजल पर निर्भर थे।

उन्होंने बताया कि कई ब्लॉकों में भूजल दोहन की दर में उल्लेखनीय कमी आई है। फाजिल्का के अर्नीवाला शेख सुभानपुर, फिरोजपुर के मखू, होशियारपुर के हाजीपुर और पठानकोट के नरोट जैमल सिंह जैसे ब्लॉक बेहतर श्रेणी में पहुंचे हैं। वहीं गुरदासपुर, काहनूवान, माहिलपुर और कोट ईसे खां समेत कई अन्य क्षेत्रों में भी भूजल स्थिति में सुधार दर्ज किया गया है।

पंजाब में 29 अगस्त से 7 सितंबर तक चलेगा विशेष सफाई अभियान, सभी कूड़ा संवेदनशील स्थान होंगे खत्म

चंडीगढ़, 31 अगस्त: पंजाब में बच्चों के बीच वन्यजीवों और प्रकृति को समझने की रुचि लगातार बढ़ रही है। इसका प्रमाण महिंद्रा चौधरी जूलॉजिकल पार्क, जिसे आमतौर पर छतबीड़ चिड़ियाघर के नाम से जाना जाता है, में बच्चों की बढ़ती संख्या से मिलता है। जनवरी 2026 से 20 अगस्त 2026 तक 85,225 बच्चे चिड़ियाघर पहुंचकर विभिन्न वन्यजीव प्रजातियों के बारे में जानकारी हासिल कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा बच्चों को वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता और प्रकृति के प्रति जागरूक करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को इस बढ़ती भागीदारी से मजबूती मिली है। छतबीड़ चिड़ियाघर बच्चों के लिए मनोरंजन के साथ-साथ सीखने का भी महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है।

वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक के नेतृत्व में विभाग द्वारा वन्यजीवों और उनके संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। चिड़ियाघर में आने वाले बच्चों को विभिन्न प्रजातियों,

उनके प्राकृतिक आवास और पर्यावरण में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

आंकड़ों के अनुसार, जून 2026 में सबसे अधिक 19,346 बच्चे छतबीड़ चिड़ियाघर पहुंचे। गर्मियों की छुट्टियों के दौरान बच्चों और परिवारों की बड़ी संख्या में मौजूदगी ने वन्यजीवों के प्रति उनकी रुचि को स्पष्ट किया। इसके अलावा वर्ष के अन्य महीनों में भी बच्चों की लगातार आवाजाही बनी रही।

सरकार का उद्देश्य बच्चों को कम उम्र से ही प्रकृति और वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना है। चिड़ियाघर जैसे शैक्षणिक स्थलों के माध्यम से बच्चों को किताबों से बाहर निकालकर वन्यजीवों को करीब से समझने और उनके संरक्षण की आवश्यकता जानने का अवसर मिलता है।

वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक नई पीढ़ी तैयार करना पंजाब सरकार के प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

बच्चों की बढ़ती भागीदारी यह संकेत देती है कि वन्यजीवों और पर्यावरण से जुड़े जागरूकता प्रयासों को समाज में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। आने वाले समय में ऐसे कार्यक्रमों और शैक्षणिक गतिविधियों को और बढ़ावा देने से बच्चों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना मजबूत होने की उम्मीद है।

छतबीड़ चिड़ियाघर में बच्चों की बढ़ती संख्या वन्यजीव संरक्षण के संदेश को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। य



ओबीसी विद्यार्थियों की पढ़ाई को पंजाब सरकार का सहारा, दो वर्षों में 39,320 छात्रों के लिए 15.72 करोड़ रुपये



चंडीगढ़, 31 अगस्त: पंजाब सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के विद्यार्थियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत बड़ा कदम उठाया है। सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 और 2026-27 के दौरान कुल 39,320 ओबीसी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति सहायता देने के लिए 15.72 करोड़ रुपये की राशि रखी गई है।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 14,320 विद्यार्थियों को 5.72 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति सहायता जारी की गई। इस आर्थिक सहयोग से जरूरतमंद विद्यार्थियों को पढ़ाई से जुड़े खर्चों का बोझ कम करने में मदद मिली और वे अपनी स्कूली शिक्षा जारी रख सकें।

उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 25,000 ओबीसी विद्यार्थियों को योजना का लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए 10 करोड़ रुपये की राशि प्रस्तावित है। इससे बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता मिल सकेगी और उन्हें शिक्षा बीच में छोड़ने की स्थिति से बचाने में मदद मिलेगी।

मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण किसी भी प्रतिभाशाली बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो। छात्रवृत्ति जैसी योजनाएं विद्यार्थियों को शिक्षा पूरी करने के लिए आवश्यक आर्थिक आधार उपलब्ध कराती हैं और उनके भविष्य के सपनों को साकार करने में मदद करती हैं।

डॉ. बलजीत कौर ने शिक्षा को सामाजिक बदलाव और सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बताते हुए कहा कि समान शैक्षणिक अवसर मिलने से बच्चों का भविष्य बेहतर होता है। इसका सकारात्मक प्रभाव उनके परिवारों के साथ-साथ पूरे समाज और राज्य के विकास पर भी पड़ता है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए जनहितैषी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है। ओबीसी विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति सहायता भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

TruSoft

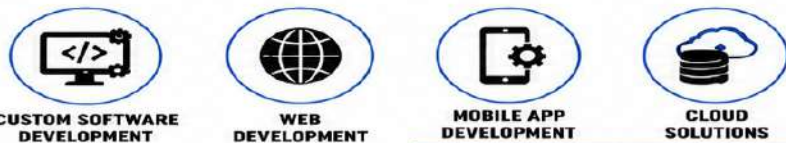
GST ACCOUNTING SOFTWARE WITH INVENTORY CONTROLS

ERP

Software that touches every part of your business.

SOFTWARE & WEB DEVELOPMENT

"Design is not just what it looks like and feels like. Design is how it works."



Software for Manufacturers, Traders, Dealers/Distributors

ALSO FOR:

Clinical Labs, Schools, Drycleaners, Transportation, Pharmaceuticals, Library, Non Banking/Finance, Weighing Scales, Institutes, Readymade Garments, Dairies, Cold Storage, Hotels, Restaurants, Apparels, Footwear, Shuttering, Sabzi Mandi

www.trusofterp.com

support@trusofterp.com

Smart Solutions. Stronger Businesses

herbegy™

Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.



PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

📞 727-515-0015